prepp
Your Personal Exams Guide

UGC NET PAPER 3 DECEMBER 28, 2008 SHIFT 1 HISTORY QUESTION PAPER

D—0608

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

HISTORY

इतिहास

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION - I

खण्ड – I

Note : Read the passage given below and answer the question numbers 1 to 5. Each answer should not be in more than 30 words. Each question carries 5 (Five) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का हैं। **(5x5=25 अंक)**

As the empire grew in size and its resources needed to be controlled, so did the need for an efficient and authoritative administrative system increase. Initially there was respect for Indian tradition and no attempts were made to impose European ideals. But soon this mid-eighteenth century construction of a "rational" Asia began to wane, as the conquerors felt the need to assert sovereignty and exert control to ensure a steady flow of revenue. The idea of cultural particularism gradually began to lose ground in the face of Evangelical attacks and the utilitarian zeal for reform. The idea of improvement led to the introduction of British principles of Justice and uniformity under a civil authority exercised by British personnel. Good laws and sound administration, it was hoped, would lead to the freeing of individual initiative from despotism, irrational customs and traditions. This would give free and full scope for capital and labour and place due emphasis on individual rights and ownership. The utilitarians advocated the 'Rule of Law' for India, while a uniform system of administration, throughout the conquered territories also suited British interests.

Till 1813 the Company acted more like a traditional Indian ruler, avoiding innovation or intervention, but keeping nonethless a vigilant eye on extracting agricultural surplus. But this scenario gradually changed under the ideological pressure of the intellectual movements mentioned above and also because the Industrial Revolution in Britain necessiated an integration of the markets throughout India and her development as a source for agricultural raw materials. All this required and unequivocal assertion of sovereignty, much greater penetration into Indian economy and society and control over Indian trade not only with Britain but with other countries as well.

जैसे जैसे सम्राज्य का आकार विस्तृत हुआ एवं उसके संसाधनों को नियन्त्रित करने की आवश्यकता पड़ी, वैसे वैसे कुशल एवं प्रभुत्व सम्पन्न प्रशासनिक व्यवस्था की आवश्यकता भी बढ़ी। प्रारम्भ में भारतीय परम्परा के लिये सम्मान था और यूरोपियन आदर्शों को थोपने का कोई प्रयास नहीं किया गया। परन्तु जब मध्य अठारहवीं शताब्दी की ''युक्तिसंगत'' (रेशनल) एशिया की धारणा क्षीण होने लगी, विजेताओं ने सम्प्रभुता का आधिपत्य एवं राजस्व के सतत प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिये नियन्त्रण की आवश्यकता महसूस की। सांस्कृतिक विशिष्टतावाद का विचार, ईसाई मत के आक्षेप और सुधारों की उपयोगितावादी जोश के सम्मुख शिथिल पड़ गया। सुधार के विचार ने सिविल सत्ता जिसका ब्रिटिश कर्मचारी प्रयोग करते थे, के न्याय और समरुपता के ब्रिटिश सिद्धान्त की ओर प्रवृत्त किया। ऐसी आशा की गई कि अच्छे कानून और सुदृढ़ प्रशासन, व्यक्तिगत पहल को निरकुंशता एवं अविवेकपूर्ण रीति-रिवाजों से मुक्त करने की ओर प्रवृत्त करेंगे। यह पूँजी और श्रम को स्वतन्त्र और पूर्ण अवसर देंगे तथा व्यक्तिगत अधिकारों और स्वामित्व पर उचित बल देंगे। उपयोगितावादियों ने भारत के लिये 'विधि के शासन' की वकालत की जबकि विजेताओं के समस्त प्रदेशों के भीतर भी प्रशासन की समरूप प्रणाली ब्रिटिश हितों के अनुरुप थी।

1813 तक कम्पनी ने प्रमुखत: नवीकरण या हस्तक्षेप को टालते हुए पारम्परिक भारतीय शासक के अनुरुप कार्य किया, फिर भी कृषि उपज के अधिशेष को जबरदस्ती लेने पर सतर्क नजर रखी। परन्तु यह परिदृश्य ऊपर वर्णित बौद्धिक आन्दोलनों के आदर्शवादी दबाव के अंतर्गत धीरे-धीरे बदलने लगा। साथ ही ब्रिटेन में औद्योगिक क्रान्ति ने समस्त भारत में बाजारों के एकीकरण और कृषि जनित कच्चे माल के स्त्रोत के रूप में उसके विकास को आवश्यक बना दिया था। इन सब के लिये संप्रभुत्व का अंध समर्थन, भारतीय अर्थव्यवस्था और समाज के भीतर अधिक घुसपैठ और न केवल ब्रिटेन के साथ परन्तु अन्य देशों के साथ भी भारतीय व्यापार पर नियन्त्रण की आवश्यकता थी।

1. What was the early European perception of Asia ?

एशिया के बारे में प्रारम्भिक यूरोपियन अवधारणा क्या थी ?

2. Comment on the ideological pressures favouring the assertion of sovereignty ?

संप्रभुता का हक जमाने के समर्थन करने वाले आदर्शगत दबावों पर टिप्पणी लिखिये ?

prepp
Your Personal Exams Guide

3. What exactly was the utilitarian scheme of improvement ?

सुधार की उपयोगितावादी योजना वास्तव में क्या थी ?

4. Why did the nature of the company's rule change in 1813 ?

1813 में कम्पनी शासन की प्रकृति में क्यों परिवर्तन आया ?

prepp
Your Personal Exam Guide

5. Why was the penetration into Indian economy and society necessary ?

भारतीय अर्थ व्यवस्था और समाज में घुसपैठ क्यों आवश्यक था ?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen 15 (fifteen) questions, each to be answered in about thirty 30 words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5 - 5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है।

(5x15=75 अंक)

prepp
Your Personal Exams Guide

6. Elaborate the term 'Chalcolithic'.

'ताम्र प्रस्तर' युग शब्द को विस्तार से बताइये।

7. Write on later vedic social changes.

उत्तर वैदिक कालीन सामाजिक परिवर्तनों पर प्रकाश डालिए।

8. Explain the importance of silver coins of western Kshataraps.

पश्चिमी क्षत्रपों के चांदी के सिक्कों के महत्व की व्याख्या कीजिए।

9. Underline the main features of Indian feudalism.

भारतीय सामन्तवाद की मुख्य विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

10. Discuss the contribution of Pallavas to art.

कला में पल्लवों के योगदान की परिचर्चा कीजिये।

11. Enumerate the main technological changes during the Sultanate period.

सल्तनत काल के दौरान मुख्य प्रौद्योगिकीय परिवर्तनों पर प्रकाश डालिए।

12. Discuss the institution of slavery during Firoz Shah Tughlaq's reign.

फिरोजशाह तुगलक के शासन काल के दौरान दास प्रथा संस्था की परिचर्चा कीजिए।

13. Enumerate the significance of *Malfuz* literature.

मलफ़ूज़ साहित्य के महत्व का वर्णन कीजिए।

14. Examine the architectural significance of Humayun's tomb.

हुमायूँ के मकबरे के स्थापत्यिक महत्व का परीक्षण कीजिए।

15. Discuss the main features of education system under the Mughals.

मुगलों के अंतर्गत शिक्षा प्रणाली की मुख्य विशेषताओं की परिचर्चा कीजिए।

16. Where did utilitarians differ from evangelicals in their perception on India ?

भारत के संदर्भ में उपयोगितावादियों तथा ईसाई धर्मियों के विचारों में कहाँ तक अन्तर है?

17. What do you mean by *Diku* ?

डिकू से आप क्या समझते हैं?

18. Why did Gandhi espouse the *Khilafat* cause ?

गांधी ने खिलाफत के उद्देश्य का समर्थन क्यों किया था ?

19. What do you mean by re-ruralization of Indian economy ?

भारतीय अर्थव्यवस्था के पुन:ग्रामीणीकरण से आप क्या समझते हैं ?

prepp Your Personal Exam Guide

prepp
Your Personal Exams Guide

20. What is the relevance of *Anandamath* to Indian freedom movement ?

भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन के लिये *आनन्दमठ* की क्या प्रासंगिकता है ?

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I

विकल्प – I

21. Critically examine the characteristics of the Aryan culture.

आर्य संस्कृति की विशेषताओं की समीक्षा करिये।

22. Was Ashoka's policy of Dhamma responsible for the decline of Mauryan empire ?

क्या अशोक की धम्म नीति मौर्य साम्राज्य की अवनति के लिये जिम्मेदार थी ?

23. Bring out the main features of 'Stupa architecture' with reference to Sanchi Stupa.
सांची स्तूप के सन्दर्भ में 'स्तूप स्थापत्य' की मुख्य विशेषताओं को स्पष्ट कीजिये।

24. Why did coastal plains become more important than the river plains in early historical period ?
प्रारम्भिक एतिहासिक काल में नदीय मैदानों की तुलना में तटीय मैदान ज्यादा महत्वपूर्ण क्यों बन गये थे?

25. Write on the village administration of Cholas.
चोलों के ग्राम प्रशासन पर लिखिये।

OR / अथवा

Elective - II

विकल्प – II

21. Critically examine the theory of Asiatic mode of production.
एशियाई मोड ऑफ प्रोडक्शन के सिद्धान्त की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिये।

22. Write a note on Sultanate's Mongol policy and its consequences.
सल्तनत की मंगोल नीति और उसके परिणामों पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

23. Does the conflict between Dara Shikoh and Aurangzeb reflect the conflict between liberal and orthodox outlooks ? Examine.
क्या दारा शिकोह और औरंगजेब के बीच संघर्ष उदार एवं रूढ़िवादी दृष्टिकौणों को दर्शाता है? समीक्षा कीजिये।

24. What is harem ? Discuss its organization and influence on the Mughal polity.
हरम क्या है? उसके संगठन और मुगल राजनीति पर उसके प्रभाव का वर्णन कीजिये।

25. Discuss the importance of memoirs in the preservation of historical information.
ऐतिहासिक सूचना के संरक्षण में संस्मरणों के महत्व की विवेचना कीजिये।

OR / अथवा

Elective - III

विकल्प – III

21. How did the ryotwari settlement affect the agrarian society of Madras ?
रैयतवारी बन्दोबस्त ने किस प्रकार मद्रास के कृषि समाज पर प्रभाव डाला था?

22. Analyse the type of the peasant movements in the nineteenth century India.
उन्नीसवीं शताब्दी के भारत में किसान आन्दोलनों के विविध प्रकार का विश्लेषण कीजिये।

prepp
Your Personal Exams Guide

23. Account for the British domination of the jute mill and its absence in the cotton mill industry.

    जूट मिल पर ब्रिटिश प्रभुत्व और कपड़ा मिल उद्योग में उसकी अनुपस्थिति पर प्रकाश डालिए।

24. Comment on the ideological difference between the moderate and the extremist.

    मध्यमार्गी और उग्रवादी के बीच विचारधारा सम्बंधी अन्तर पर टिप्पणी कीजिये।

25. Analyse the political impact of the INA trial.

    आइ.एन.ए. मुकद्दमें के राजनैतिक प्रभाव का विश्लेषण कीजिये।

prepp
Your Personal Exam Guide

prepp
Your Personal Exams Guide

prepp Your Personal Exams Guide

prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION - IV
खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Explain the significance of Samudragupta's diverse approaches to varied conquered areas.

विभिन्न विजित क्षेत्रों के प्रति समुद्रगुप्त के विभिन्न अभिगमों के महत्व को स्पष्ट कीजिये।

OR / अथवा

Was the Mughal Empire characterised by a centralised state structure ?

क्या मुगल साम्राज्य की विशेषता केन्द्रीयकृत राज्य ढांचा थी ?

OR / अथवा

Write a critique of the subattern historiography.

उपाश्रित इतिहास लेखन पर समालोचनात्मक लेख लिखिये।

prepp
Your Personal Exams Guide

prepp
Your Personal Exams Guide

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....